धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1509

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1718

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1692

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लान्टिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1885

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म सोनिया

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म चंचल

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म शहंशाह

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बंसी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बाजीराव

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म स्वर्णिम

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 001

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 87

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म मस्तानी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म यामा – 51

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 999

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म लावन्या

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म डायमंड – 555

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1509

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1718

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1692

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लान्टिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1885

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म सोनिया

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म चंचल

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म शहंशाह

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बंसी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बाजीराव

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म स्वर्णिम

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 001

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 87

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म मस्तानी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म यामा – 51

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 999

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म लावन्या

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म डायमंड – 555

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1509

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1718

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1692

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लान्टिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1885

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म सोनिया

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म चंचल

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म शहंशाह

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बंसी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बाजीराव

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म स्वर्णिम

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 001

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 87

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म मस्तानी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म यामा – 51

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 999

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म लावन्या

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म डायमंड – 555

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1509

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1718

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1692

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लान्टिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1885

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म सोनिया

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म चंचल

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म शहंशाह

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बंसी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बाजीराव

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म स्वर्णिम

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 001

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 87

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म मस्तानी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म यामा – 51

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 999

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म लावन्या

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म डायमंड – 555

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1509

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1718

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1692

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लान्टिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म PB -1885

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म सोनिया

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म चंचल

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म शहंशाह

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बंसी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म बाजीराव

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म स्वर्णिम

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 001

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 87

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म मस्तानी

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म यामा – 51

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म विगर – 999

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म लावन्या

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म डायमंड – 555

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती की लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं मटियार एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधै से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक / एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।